भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 2394

उत्तर देने की तारीखः 08.07.2019

आई.आई.टी. आकांक्षियों के लिए प्रशिक्षण/कोचिंग केन्द्र

2394. डॉ. रमापति राम त्रिपाठीः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में प्रवेश पाने के इच्छुक निर्धन परिवारों एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण/कोचिंग केन्द्रों को शुरू करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) से (ग): वर्तमान में, गरीब परिवारों और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के आईआईटी आकांक्षियों के लिए सस्ते प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, छात्रों, जिसमें सर्वाधिक वंचित छात्र सम्मिलित हैं, के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने स्टडी वेब्स ऑफ़ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पाइरिंग माइंडस (स्वयं) ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है जो कक्षा 9 से स्नातकोत्तर तक के छात्रों के लिए वीडियो व्याख्यान, पठन सामग्री, परीक्षण और क्विज़ के माध्यम से स्व-मूल्यांकन और संदेह दूर करने हेतु ऑनलाइन चर्चा मंच जैसी परस्पर संवादात्मक (इंटरैक्टिव) पाठ्यक्रम सामग्री प्रदान करता है। ये सुविधा किसी को भी, किसी भी समय, कहीं भी बिना किसी शुल्क के उपलब्ध है। सरकार की एक और पहल जिसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान - प्रोफेसर असिस्टेड लर्निंग (आईआईटी-पीएएल) कहा जाता है, कक्षा XI और XII के छात्र जो आईआईटी और अन्य संस्थानों में प्रवेश

की इच्छा रखते हैं, के लिए आईआईटी के प्राध्यापकों और केंद्रीय विद्यालय के शिक्षकों द्वारा तैयार किये गए जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित और भौतिक विज्ञान में वीडियो कंटेंट हैं। यह कंटेंट स्वयं-प्रभा के विशेष डीटीएच चैनलों पर निःशुल्क उपलब्ध है।

*****